भारत में डिजिटल और एआई भविष्य के लिए बड़ा प्रोजेक्ट

अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल ने मिलकर भारत में कुल 67 .5 अरब डॉलर के निवेश

इंफाल, 11 दिसंबर अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल ने मिलकर भारत में कुल 67.5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है. इस निवेश से देश का डिजिटल भविष्य और एआई आधारित नवाचार क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी. विशेषज्ञों के अनुसार भारत की युवा आबादी, सस्ता इंटरनेट और तेजी से बढ़ता डिजिटल माहौल इसे वैश्विक एआई निवेश के लिए सबसे आकर्षक गंतव्य बना रहे हैं.

अमेजन ने 2030 तक 35 अरब डॉलर से अधिक निवेश करने का लक्ष्य रखा है. कंपनी का उद्देश्य एआई आधारित डिजिटलीकरण, निर्यात वृद्धि और रोजगार सृजन को मजबूत करना है. इसके तहत लॉजिस्टिक्स, डेटा सेंटर, डिजिटल भुगतान और तकनीकी विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा.

माइक्रोसॉफ्ट ने 17.5 अरब डॉलर का निवेश करके क्लाउड और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने, स्किलिंग कार्यक्रमों का विस्तार करने और सुरक्षित डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने की योजना बनाई है. गूगल की परियोजना से 1,88,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां सृजित होंगी. इन नौकरियों का दायरा आईटी, ढांचागत विकास, संचालन और हरित ऊर्जा तक फैलेगा. कीस्टोन रिपोर्ट के अनुसार अमेजन ने 1.2 करोड़ से अधिक छोटे व्यवसायों का डिजिटलीकरण किया और 20 अरब डॉलर के ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम बनाया.

माइक्रोसॉफ्ट सीईओ सत्य नडेला ने कहा कि भारत में 2030 तक 57.5 मिलियन डेवलपर्स होंगे, जिससे यह देश वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा डेवलपर बेस बनेगा. इसके साथ ही, अडानी समूह अगले छह वर्षों में भारत में 12 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा, जो बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और बंदरगाहों में बड़े बदलाव की उम्मीद जगाता है.

अमेजन ने आईएनआईयू पावर बैंक का बड़ा रिकॉल किया

ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने अमेरिका में बेचे गए लाखों आईएनआईयू ब्रांड के पावर बैंकों को वापस मंगाने का निर्णय लिया है. यह कदम तब उठाया गया जब इन पावर बैंकों में आग लगने का खतरा सामने आया. यूएस कंज्यूमर प्रोडक्ट सेफ्टी कमीशन ने इन पावर बैंकों को तुरंत रिकॉल करने का आदेश दिया है. इस रिकॉल में अगस्त 2021 से अप्रैल 2022 के बीच अमेजन पर बेचे गए लगभग 2 .10 लाख पावर बैंक शामिल हैं.

टीएसएमसी का राजस्व 24 .5 प्रतिशत बढ़ा

नवंबर में सालाना आधार पर कंपनी ने शानदार वृद्धि दर्ज की

विश्व स्तर पर एआई चिप्स की बढ़ती मांग

ताइपेई, 11 दिसंबर. दुनिया की प्रमुख सेमीकंडक्टर निर्माता कंपनी टीएसएमसी ने नवंबर 2025 में अपने राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है. कंपनी का समेकित राजस्व नवंबर में 343.61 अरब न्यू ताइवान डॉलर (लगभग 10.99 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा.

यह पिछले वर्ष नवंबर की तुलना में 24.5प्रतिशत अधिक है, जबकि अक्टूबर 2025 के मासिक राजस्व की तुलना में 6.5प्रतिशत कम रहा. विशेषज्ञों के अनुसार, यह वृद्धि एआई चिप्स की वैश्विक मांग के कारण हुई है. टीएसएमसी एआई सर्वर, बड़े पैमाने पर कंप्यूटिंग और प्रीमियम स्मार्टफोन के लिए उच्च-प्रदर्शन चिप्स का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनी हुई है. कंपनी की दोहरे अंकों वाली वार्षिक वृद्धि इसके वैश्विक एआई इकोसिस्टम में केंद्रीय भूमिका को दर्शाती है. 2025 के पहले ग्यारह महीनों में, कंपनी ने कुल 3,474.05 अरब एनटीडी (111.17 अरब अमेरिकी डॉलर) का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 32.8प्रतिशत अधिक है.

मासिक आधार पर अक्तूबर के मुकाबले मामूली गिरावट के बावजूद, एआई और उच्च-प्रदर्शन चिप्स की मजबूत वैश्विक मांग टीएसएमसी की निरंतर नेतृत्व क्षमता को उजागर करती है.

कंपनी ने बयान में कहा कि एआई एक्सेलेरेटर और उन्नत पैकेजिंग तकनीक की बढ़ती मांग उसके वैश्विक राजस्व और लाभ में वृद्धि का प्रमुख कारण है. टीएसएमसी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता बनी हुई है और विभिन्न उद्योगों में एआई की बढ़ती भूमिका इसे और लाभ पहुंचाने की संभावना रखती है.

2026 में आरबीआई रेपो रेट 5 प्रतिशत पर रह सकता है

अमेरिकी फेड की तीसरी दर कटौती, भारत स्थिर

विदेशी निवेशकों के लिए लाभकारी परिस्थितियां बनी रहेंगी

मुंबई, 11 दिसंबर. अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने वर्ष के अंत में तीसरी लगातार ब्याज दर कटौती की घोषणा की है. फेड ने फेडरल फंड्स रेट को 3.50प्रतिशत से घटाकर 3.50-3.75प्रतिशत की सीमा में ला दिया है. इस वर्ष कुल मिलाकर 75 आधार अंकों की कटौती की जा चुकी है.

यह कदम अमेरिकी श्रम बाजार के कमजोर संकेत कों और सरकार के शटडाउन के कारण नई आर्थिक सूचनाओं में बाधा को देखते हुए उठाया गया है. बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री दिपानविता मजूमदार ने बताया कि मौजूदा वैश्विक रुझानों और घरेलू स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत का रेपो रेट 2026 में 5 प्रतिशत के स्तर पर स्थिर रहने की संभावना है. उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच नीतिगत दरों में अंतर नियंत्रित है, और इस स्थिरता से विदेशी निवेशकों के लिए लाभकारी परिस्थितियां बनी रहेंगी. हालांकि, रुपये में हाल की अस्थिरता ने निवेश प्रवाह पर असर डाला है, लेकिन निकट भविष्य में उच्च उपज अंतर से एफपीआई प्रवाह को समर्थन मिलने की उम्मीद है. घरेलू खाद्य कीमतों पर नियंत्रण और मुद्रास्फीति में स्थिरता भारत के पक्ष में रुझान दिखा रही है.

अकासा एयर के बेड़े में शामिल हुआ 31वां विमान

नयी दिल्ली, 10 दिसंबर. नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर के बेड़े में एक और बोइंग 737 मैक्स विमान शामिल हो गया है. एयरलाइन ने बताया कि नया बोइंग 737 मैक्स 8-200 विमान 10 दिसंबर को बेंगलुरु के केम्पेगोड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा. इसके साथ उसके बेड़े में विमानों की संख्या बढ़कर 31 हो गयी है.

यह उसके बेड़े में शामिल होने वाला पहला विमान है जिसे अंदर से खास तौर अकासा के लिए डिजाइन किया गया है. इसमें साफ्रां की जेड200 सीटें लगी हैं जो यात्रियों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करेंगी. अकासा एयर के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय दुबे ने कहा कि बेड़े में 31वां विमान शामिल होना विश्व स्तरीय एयरलाइन बनने की उसकी यात्रा में एक और कदम है. तीन साल पहले शुरू अकासा एयर के बेड़े में वर्तमान 31 बोइंग 737 मैक्स विमान हैं. उसने 226 बोइंग 737 मैक्स विमानों के लिए पक्का ऑर्डर दिया है जिनमें शेष 195 विमान उसे अगले सात साल में मिलने वाले हैं.

वेदांता राजस्थान में करेगा एक लाख करोड़ का निवेश

उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य

जयपुर, 11 दिसम्बर. वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने यहां बुधवार को राजस्थान में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश और उत्पादन दोगुना करने की घोषणा की.

अग्रवाल ने पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हाथों प्रवासी राजस्थानी सम्मान से सम्मान प्राप्त करने के बाद कहा कि समूह जिंक, सीसा, चांदी, तेल-गैस और नवीकरणीय ऊर्जा में अपना उत्पादन दोगुना करने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा. उन्होंने कहा कि विकसित भारत की राह राजस्थान से होकर गुजरेगी.

राज्य की धरती में तेल-गैस और खनिजों का अपार भंडार है, इसलिए राज्य देश की अर्थव्यवस्था को और ऊंचाई दे सकता है. वेदांता समूह राजस्थान में जिंक पार्क की स्थापना के साथ छोटे और मध्यम जिंक उत्पादक उद्योगों को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है. श्री अग्रवाल ने बताया कि 200 नये उद्योग स्थापित करने की क्षमता वाले जिंक इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल पार्क में बिजली, पानी, कच्चा माल और बुनियादी ढांचे की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी, जिससे छोटे तथा मध्यम उद्यमों और डाउनस्ट्रीम (तेल एवं गैस शोधन) सेक्टर को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा.

वेदांता समूह राजस्थान में उत्तर भारत का पहला फॉस्फेट उर्वरक प्लांट भी लगायेगा. यह परियोजना राजस्थान को ग्रीन राजस्थान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी. वेदांता समूह अब तक राजस्थान में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर चुका है.

रुपया सात पैसे टूटा

मुंबई, 10 दिसंबर. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के भारतीय बाजार से पूंजी निकालने से बुधवार को रुपया सात पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.9450 रुपये का बोला गया. पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 17.50 पैसे की मजबूती के साथ 89.8750 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. रुपया 12.50 पैसे की नरमी के साथ 90 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में यह ऊपर 89.76 रुपये और नीचे 90.10 रुपये प्रति डॉलर तक गया. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों में आज भारतीय पूंजी बाजार में शुद्ध रूप से बिकवाली की. इससे रुपये पर दबाव रहा. हालांकि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में नरमी से रुपये को समर्थन मिला और उसकी गिरावट सीमित रही.

सोने में तेज उछाल, चांदी की चमक बढ़ी

1,19,460 रुपए हुआ 22 कैरेट सोना

1,99,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंची चांदी

नई दिल्ली, 11 दिसंबर. 11 दिसंबर की सुबह सोने और चांदी के बाजार में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई. फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग बढ़ी, जिसका सीधा असर भारतीय बाजारों में दिखा.

राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,30,470 रुपये

प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 1,19,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई. मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में भी सोने के भाव ऊंचे और स्थिर बने रहे. 24 कैरेट सोना 1,30,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,460 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है. पुणे और बेंगलुरु में भी 24 कैरेट सोने की कीमत 1,30,320 रुपये प्रति 10 ग्राम रही. विशेषज्ञों के अनुसार, घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक 67 प्रतिशत बढ़ चुकी है. अगर वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां और रुपये-डॉलर का संतुलन इसी तरह बना रहता है, तो 2026 में सोने की कीमतों में 5त्न से 16त्न तक और इजाफा संभव है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का हाजिर भाव फिलहाल 4,201.70 डॉलर प्रति औंस है. चांदी के बाजार में भी तेजी दर्ज की गई. घरेलू बाजार में चांदी का भाव 1,99,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है.

रिजर्व बैंक ने 50,000 करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदी

मुंबई, 11 दिसंबर. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग तंत्र में नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के प्रयास के तहत गुरुवार को खुले बाजार से 50,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की.

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 05 दिसंबर को मौद्रिक नीति संबंधी बयान जारी करने के अवसर पर बताया था कि केंद्रीय बैंक इस महीने एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करेगा. इससे बैंकों के पास ज्यादा नकदी उपलब्ध होगी और वे ज्यादा ऋण दे सकेंगे. पहले चरण के तहत आज 50,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीदी गयी है जबकि 18 दिसंबर को इतने ही मूल्य की प्रतिभूतियां खरीदी जायेंगी. ये प्रतिभूतियां चार से लेकर 25 साल तक की मियाद वाली हैं. रिजर्व बैंक की गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि उसने 6.75 प्रतिशत पर 2029 की 6,638 करोड़ रुपये की प्रतिभूतियां खरीदी हैं.

यूनिलीवर के लिए भारत प्रमुख विकास बाजार

नई दिल्ली, 11 दिसंबर. ब्रिटिश उपभोक्ता उत्पाद कंपनी यूनिलीवर ने भारत को अपने आने वाले वर्षों के लिए सबसे बड़े विकास बाजार के रूप में पहचाना है. कंपनी के सीईओ फर्नांडो फर्नांडीज के अनुसार, जीएसटी में कटौती, टैक्स रियायतें और ब्याज दरों में कमी जैसी नीतिगत पहलें खपत को नया बल दे रही हैं.

उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में खाद्य महंगाई के कारण मांग कमजोर थी, लेकिन अब स्थिति सुधर रही है. तिमाही जीडीपी 8.2 प्रतिशत रहने से बाजार में नई जान आई है. जीएसटी में कटौती से कंपनी के लगभग 40 प्रतिशत उत्पादों को सीधा लाभ मिलेगा.

यूनिलीवर ने हिंदुस्तान यूनिलीवर के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव किए हैं और नए नेतृत्व को तेज वॉल्यूम ग्रोथ का लक्ष्य दिया है. फर्नांडीज ने कहा कि भारत की आबादी में अलग-अलग आय स्तर वाले लोग हैं, जिससे हर श्रेणी में बाजार तेजी से बढ़ रहा है.

कंपनी अपने ब्रांडों के जरिए इस अवसर का पूरा लाभ उठाने को तैयार है. वहीं, कोका-कोला ने हेनरिक ब्रौन को नए सीईओ के रूप में नियुक्त किया है, जो 2026 की पहली तिमाही में पदभार संभालेंगे. देश में क्विक और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की तेजी से वृद्धि के कारण छोटे और मध्यम किराना स्टोरों को चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. एफआरएआई ने सरकार से तकनीकी प्लेटफॉर्म बनाने की अपील की है, ताकि छोटे रिटेलर्स बड़े प्लेटफॉर्म के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें. इसके अतिरिक्त, सरकार ने दो लाख से अधिक संस्थाओं को स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी है, जिससे 21 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं. ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स ने अक्तूबर तक 32.6 करोड़ ऑर्डर पूरे किए.

समाचार विशेष

राजस्थान भाजपा में बड़ा बदलाव!

मदन राठौड़ ने एक झटके में बदली पूरी जिलों की कमान, 44 नई तैनातियां

जयपुर. राजस्थान भाजपा संगठन में बड़े स्तर पर फेरबदल करते हुए प्रदेश नेतृत्व ने जिलेवार नए प्रभारी और सहप्रभारी नियुक्त कर दिए हैं. यह महत्वपूर्ण नियुक्तियां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देश पर की गई हैं. प्रदेश संगठन ने कुल 44 जिलों में प्रभारी और सहप्रभारी तैनात किए हैं ताकि आगामी राजनीतिक गतिविधियों, सदस्यता अभियानों, संगठन विस्तार और जमीनी मजबूती को नए सिरे से तेज गति मिल सके.

हाल ही में घोषित हुए जिलाध्यक्षों की सूची के बाद यह दूसरी बड़ी संगठनात्मक घोषणा मानी जा रही है, जिससे भाजपा का

जिला ढांचा अब पूरी तरह मजबूत होकर सक्रिय मोड में आ चुका है. पार्टी सूत्रों का कहना है कि यह बदलाव संगठन को बूथ स्तर तक अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सभी 44 जिलों में प्रभारी और सहप्रभारी नियुक्त करते हुए यह स्पष्ट संदेश दिया है कि संगठन अब आने वाले महीनों में गांव-गांव, बूथ-बूथ तक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाएगा. नई नियुक्तियों के साथ पार्टी ने यह भी संकेत दिया है कि अभी और भी संगठनात्मक घोषणाएं की जा सकती हैं, ताकि हाल ही में घोषित जिलाध्यक्षों के साथ तालमेल बनाते हुए मजबूत टीम तैयार हो सके. प्रदेश संगठन का मानना है कि जिलेवार प्रभारियों की नियुक्ति से न केवल संगठनात्मक गतिविधियों की मॉनिटरिंग आसान होगी, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता भी कई गुना बढ़ेगी. प्रभारियों से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे नियुक्त जिलाध्यक्षों के साथ मिलकर जिला कोर कमेटी, मंडल स्तर की बैठकों और बूथ समितियों के पुनर्गठन में सक्रिय भूमिका निभाएं.

44 जिलों में जिम्मेदारियां तय

प्रदेश भाजपा की इस घोषणा के बाद पूरे राज्य के कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है. प्रभारी-सहप्रभारी नियुक्त होने से जिला इकाइयों में तालमेल और कार्य विभाजन और सुगठित हो जाएगा. पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि यह पुनर्गठन भाजपा की उस रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत राजस्थान में संगठन को लगातार एक्टिव मोड में रखा जा रहा है. पार्टी संगठन का मानना है कि 44 जिलों में नए प्रभारियों की तैनाती सीधे-सीधे बूथ स्तर तक राजनीतिक संवाद बढ़ाने, समाज के हर वर्ग तक पहुंच मजबूत करने और पार्टी कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

ममता की जमीन हिलाने भाजपा का नया दांव

टीएमसी की ही ट्रिक अपनाने की तैयारी, क्या है रणनीति

कोलकाता. पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव इस बार भाजपा के लिए मेक या ब्रेक वाला हो सकता है. नरेंद्र मोदी की अगुआई में पार्टी 2014 से बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी को चुनौती देने की कोशिश कर रही है. इन बरसों में भाजपा ने हर सियासी प्रयोग कर लिए, पर हर बार ममता बीस पड़ती रहीं.

अब भाजपा उन तमाम प्रयोगों का मेगा मिक्स दांव चलने की कोशिश कर रही है. वंदे मातरम डिबेट और बंगाली अस्मिता के साथ खुद को जोड़ने का प्रयास पार्टी के इसी प्रयोग का एक हिस्सा है.

धारणा बदलने का प्रयास - पश्चिम बंगाल में पैर जमाने की कोशिश में भाजपा नरम-गरम, दोनों प्रयोग कर चुकी है. पूरे राज्य में 30 प्रतिशत मुस्लिम वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं. लोकसभा की 42 में से 10 सीटों और विधानसभा की 294 में से करीब 80 सीटों पर मुस्लिम आबादी 45 प्रतिशत से अधिक है. पिछले कुछ चुनावों से मुस्लिम वोट तृणमूल के पक्ष में रहा है. भाजपा ने आक्रामक हिंदुत्व की राजनीति कर ध्रुवीकरण करने की कोशिश की है. 2019 के आम चुनाव में उसे कुछ हद तक सफलता जरूर मिली, लेकिन उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव और फिर 2024 के आम चुनाव में पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा.

इसके बाद पार्टी के एक वर्ग को लगा कि जहां इतनी बड़ी तादाद मुस्लिम वोट की है, वहां उसे नजरअंदाज कर चुनावी जीत हासिल करना मुश्किल होगा.

प्रियंका चतुर्वेदी की क्या वापसी होगी?

मुंबई. यह लाख टके का सवाल है कि उद्धव ठाकरे की शिव सेना की नेता प्रियंका चतुर्वेदी का क्या होगा? उनका कार्यकाल अगले साल तीन अप्रैल को खत्म हो रहा है. यानी बजट उनका आखिरी सत्र होगा. क्या वे फिर किसी जुगाड़ से राज्यसभा पहुंच पाएंगी?

ध्यान रहे वे पहले कांग्रेस पार्टी में थीं और कांग्रेस में प्रवक्ता के नाते उन्होंने अच्छी लोकप्रियता हासिल की थी. लेकिन 2018 में अचानक उन्होंने पाला बदल लिया और शिव सेना में चली गईं. उस समय शिव सेना एकजुट थी. उसने प्रियंका चतुर्वेदी को राज्यसभा भेज दिया. जब शिव सेना टूटी तब वे उद्धव ठाकरे के साथ ही रहीं.

अब उनका कार्यकाल खत्म हो रहा है और उद्धव ठाकरे शिव सेना अपने दम पर एक भी सीट जीतने में सक्षम नहीं है. गौरतलब है कि उद्धव ठाकरे की पार्टी सिर्फ 20 विधानसभा सीट जीत पाई है. समूचे महाविकास अघाड़ी को 48 सीटें हैं. महाराष्ट्र में राज्यसभा की सात सीटें खाली हो रही हैं. एक सीट जीतने के लिए 37 वोट की जरुरत है. अगर महाविकास अघाड़ी एकजुट रहा तो उसे एक सीट मिल सकती है. चूंकि सबसे ज्यादा सीट शिव सेना की है तो वह इस एक सीट पर दावा कर सकती है. लेकिन मुश्किल यह है कि एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार भी रिटायर हो रहे हैं. वे महाराष्ट्र के सबसे बड़े नेता हैं और महाविकास अघाड़ी को भी जोड़े रखने वाली ताकत हैं. अगर उन्होंने उच्च सदन में बने रहने की इच्छा जताई तो प्रियंका चतुर्वेदी के लिए मुश्किल हो जाएगी. शरद पवार के लिए कांग्रेस किसी दूसरे राज्य में सीट का इंतजाम करे यह भी मुश्किल है. हां, अगर दोनों एनसीपी एक हो जाएं, शरद और अजित पवार साथ आ जाएं तो फिर उनको कोई दिक्कत नहीं होगी.

विशेष हरिवंश इस बार राज्यसभा नहीं आते हैं तो कौन होगा उप सभापति?

बिहार में राज्यसभा की जोड़ तोड़ शुरू

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव के बाद पहला सत्र संपन्न हो गया है और अब राज्यसभा के साथ साथ विधान परिषद की सीटों पर जोड़ तोड़ शुरू हो गई है. बिहार का मामला इसलिए दिलचस्प है क्योंकि राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश भी वहां से सांसद हैं. उनका कार्यकाल अगले साल अप्रैल में खत्म हो रहा है. क्या जनता दल यू की ओर से उनको फिर से राज्यसभा भेजा जाएगा? वे दो बार उच्च सदन के सदस्य रह चुके हैं.

जानकार सूत्रों का कहना है कि उनको तीसरी बार भेजने की संभावना बहुत कम है. ध्यान रहे पिछले कई सालों से उनको जनता दल यू से ज्यादा भाजपा के करीब माना जा रहा है. जब उनके जदयू ने भाजपा से नाता तोड़ा तो उनकी नजदीकी भाजपा से बनी रही थी. लेकिन भाजपा भी अपने कोटे से उनको राज्यसभा में नहीं लाएगी. ध्यान रहे ऐसे ही जनता दल यू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते आरसीपी सिंह भी भाजपा के करीब गए थे. वे केंद्र में मंत्री थे और जदयू ने उनको राज्यसभा नहीं भेजा तो भाजपा ने कोई मदद नहीं की तो उनका मंत्री पद भी गया और राज्यसभा से भी रिटायर हो गए.

अब सवाल है कि अगर हरिवंश तीसरी बार राज्यसभा नहीं आते हैं तो कौन होगा राज्यसभा का उप सभापति? मोटे तौर पर अंदाजा है कि उप सभापति का पद जनता दल यू के पास ही रहेगा. इस बार उसके दो सांसद रिटायर हो रहे हैं, हरिवंश और रामनाथ ठाकुर. इनमें से ठाकुर केंद्रीय मंत्री हैं. वे कर्पूरी ठाकुर के बेटे हैं. उनको फिर से राज्यसभा भेजा जाना तय है. सो, हो सकता है कि उनको उप सभापति बना दिया जाए क्योंकि बाकी दो लोग जो राज्यसभा में हैं उनमें से खीरू महतो को नहीं बनाया जा सकता है और संजय झा केंद्रीय मंत्री बनना चाहते हैं.

कुशवाहा की राह मुश्किल हो गई

बिहार में अगर एनडीए की बात करें तो सबसे दिलचस्प मामला राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा का है. पिछले साल लोकसभा चुनाव में हारने के बाद उनको तत्काल ही राज्यसभा भेजा गया था. उसका मकसद लोकसभा चुनाव में बिगड़े माहौल को ठीक करना था. इसका फायदा विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिला. लेकिन उस समय भी उनके साथ खेला हो गया. राज्यसभा की दो खाली हो रही सीटों में से पहले उनको चार साल वाली सीट मिलनी थी, लेकिन उनको दो साल वाली सीट दी गई.